Dainik Jagran - New Delhi- 08 - 02 - 2011

संकट : वीजा संबंधी नए नियमों के चलते प्रभावित होंगे भारतीय

ब्रिटेन में कठिन होगी छात्रों की राह

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन अपने वीजा नियमों में सख्ती करने जा रहा है। जिसके चलते एमबीए की पढ़ाई करने के लिए ब्रिटेन आने वाले भारतीय छात्रों की तादाद में कमी आ सकती है। ब्रिटेन में प्रावधान है कि पढ़ाई पूरा करने के बाद बाहरी छात्रों को वहां दो वर्ष तक नौकरी करने के लिए वीजा दिया जाता है। लेकिन अब ब्रिटिश सरकार इस प्रावधान को खत्म करने जा रही है। जिससे भारतीय और गैर यूरोपीय देशों के छात्र पढ़ाई पूरा करने के बाद वहां नौकरी करने के लिए वीजा नहीं हासिल कर सकते।

ब्रिटिश आव्रजन मंत्री डेमियन ग्रीन के अनुसार, हम दो वर्ष तक नौकरी देने का बोझ अब नहीं उठा सकते। दुनिया के 70 देशों में बिजनेस मैनेजमेंट पाठ्यक्रमों को मान्यता देने वाली लंदन की एसोसिएशन ऑफ एमबीए ने सरकार के इस प्रस्तावित कदम पर चिंता जताई है। उसके मुताबिक ब्रिटिश सरकार का यह प्रस्तावित कदम एक बड़ी चिंता की बात है। इससे भारत और अन्य देशों से यहां एमबीए की पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों की संख्या में कमी आएगी।

आव्रजन मंत्री डेमियन ग्रीन ने पिछले सप्ताह अपने भाषण में कहा था कि ब्रिटेन में बढ़ती बेरोजगारी को देखते हुए गैर यूरोपीय संघ के छात्रों को यहां के श्रम बाजार का लाभ लेने का मौका नहीं दिया जाएगा। उनका कहना था कि बाहरी छात्रों को दो वर्ष तक नौकरी देने के कारण ब्रिटिश स्नातकों पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है। एसोसिएशन ने ब्रिटेन में छात्र वीजा समीक्षा को लेकर अपने जवाब में कहा है कि अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं में सबसे अधिक संख्या भारत और चीन की रहती है। ऐसे में बेहद दक्ष बिजनेस शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए ब्रिटेन को अपनी तरफ से सभी प्रयास करने चाहिए। एसोसिएशन के अनुसार, ''पढ़ाई के बाद छात्रों को रोजगार का अवसर उपलब्ध नहीं कराने से ब्रिटेन की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचेगी।''

मुश्किल

- पढ़ाई के बाद दो वर्ष तक नौकरी की व्यवस्था खत्म करने की तैयारी में है ब्रिटिश सरकार
- लंदन की एसोसिएशन ऑफ एमबीए ने ब्रिटिश सरकार के कदम पर चिंता जताई